वृषभानु नन्दिनी जगत वन्दिनी

राधा रानी से भावपूर्ण प्रार्थना :
वृषभानुनन्दिनी जगत वन्दिनी

वृषभानु नन्दिनी जगत वन्दिनी,
तुम दया की खान हो ।
मम हिय में भर दो प्रेमभक्ति,
तुम तो भक्ति ज्ञान हो ॥

प्रभु भक्ति की तू है मूरत,
तू है माँ ममतामयी ।
कृपा रूपी तू है सागर,
मातु तू करुणामयी ॥

हे राधिके ले श्याम को संग,
मुझे दर्शन दीजिये ।
सब दुर्गुणों से दूर करके,
पार भव से कीजिये ॥

जगत रूपी नाव की,
जननी तुम्हीं पतवार हो ।
कोई न भव से पार करता,
मातु खेवनहार हो ॥

कर कृपा रख हाथ सिर पर,
चरण रज अब दीजिये ।
कान्त है माँ पुत्र तेरा,
शरण इसको लीजिये ॥

दोहा :

है अबोध बालक तेरा,
रखना माता ध्यान ।
ले शरण में कान्त को,
कर दे माँ कल्यान ॥1 ॥

कृपा करो हे राधिके,
भरो प्रेम की रंग ।
एकबार मोहि दरश दे,
श्री मनमोहन के संग ॥2 ॥

दासानुदास श्रीकान्त दास जी महाराज ।

स्वर : प्रवीण सिंह जी ।

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35427/title/vrishbhanu-nandini-jagat-vandini

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |